

लगातार द्वारा	हुगम या कार्यवाही मय इनिशियलस जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुगम की तामील में जारी हुए
------------------	----------------------------------	---

18/11/2000

राजस्व विधि प्रार्थना पत्र संख्या 76/2017 अणवान डूगर सिंह बनाम सरकार अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 वकील प्रार्थी उपस्थित। वकील प्रार्थी को सुना गया। प्रार्थी ने यह प्रार्थना पत्र धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत पेश कर निवेदन किया कि खसरा नं. 733 रकबा 71.12 बीघा ग्राम गुडा विशनोईयान पटवार हल्का गुडा विशनोईयान प्रार्थी की सहयातेदारी कृषि भूमि है जिसमें प्रार्थी का 2/5 वा हिस्सा आया हुआ है . लेकिन तत्कालीन समय में राजस्व अधिकारियों की भूल से तेजाराम का इन्द्राज करते हुए 1/5 वा हिस्सा इन्द्राज कर दिया गया । राजस्व रेकर्ड में तेजाराम नामक व्यक्ति का गलत नाम आने की जानकारी होने पर प्रार्थी अपने हिस्से में से तेजाराम के स्थान पर डूगर सिंह संशोधित करवाकर राजस्व रेकर्ड दुरुस्ती करने का निवेदन किया।

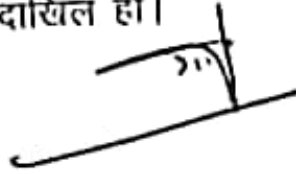
प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तालम किया गया। वकील प्रार्थी को सुना गया अप्रार्थी तहसीलदार लूणी ने जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि ग्राम गुडा विशनोईयान के खसरा नम्बर 733 रकबा 71.12 बीघा किस्म बरानी तृतीय में सहयातेदारी प्रार्थी के साथ-साथ तेजाराम पि. जाति कुम्हार का 1/5 हिस्से में नाम दर्ज है सहवन से भूलवश तेजाराम का नाम दर्ज होना बताया है सहवन त्रुटि से एक रेकर्ड से दूसरे रेकर्ड में त्रुटि के वो ही दस्तावेज प्रार्थी ने पेश नहीं किये है जिसमें पहले प्रार्थी पिता का नाम प्रार्थी या उसके पिता का नाम दर्ज था। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अस्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत राजस्व रेकर्ड एवं अप्रार्थी तहसीलदार लूणी जबाब प्रार्थना पत्र का अध्ययन किया। प्रार्थी द्वारा ऐसे कोई दस्तावेज एवं राजस्व रेकर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे यह साबित होता हो कि ग्राम गुडा विशनोईयान के खसरा नम्बर 733 रकबा 71.12 बीघा में प्रार्थी के हिस्से में इन्द्राज तेजाराम पि जाति कुम्हार हिस्सा 1/5 का सहवन या त्रुटि से इन्द्राज हुआ हो।



सहायक क्लर्क एवं उपखण्ड अधिकारी,
सुनौ

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 भूराजस्व अधिनियम के पोषणीय नहीं होने से खारिज किया जाता है। आदेश सुनाया गया। पत्रावली फंसल शुमार होकर दफ्तर दाखिल हो।



सहायक कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी,
लूणा